भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3825
उत्तर देने की तारीख 16/03/2026

झज्जर में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली का विस्तार परिसर

†3825. **श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हरियाणा के झज्जर जिले में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली का विस्तार परिसर स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित बजट का ब्यौरा क्या है;

(ख) परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है और पूरा किए गए कार्य और इसमें लगी कंपनियां कौन-कौन सी हैं;

(ग) उक्त परिसर के लिए इसकी स्वीकृति के बाद से वर्तमान वित्तीय वर्ष सहित प्रत्येक वित्तीय वर्ष में सरकार द्वारा आवंटित और जारी की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) संभावित समयावधि क्या है जिसके भीतर सरकार निर्माण कार्य को पूर्णतः पूरा करने और परिसर को पूरी तरह से क्रियाशील बनाने की अपेक्षा करती है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): वर्तमान में देश में 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) स्थापित और कार्यात्मक हैं। केंद्र सरकार द्वारा हरियाणा राज्य में पहले ही राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कुरुक्षेत्र, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) सोनीपत और केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा स्थापित किए जा चुके हैं। ये सभी संस्थान राष्ट्रीय महत्व के संस्थान हैं। ये सभी संस्थान तकनीकी शिक्षा, बुनियादी और अनुप्रयुक्त दोनों क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता को बढ़ावा देने और उद्योग के लिए परामर्श सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं।

झज्जर, हरियाणा में आईआईटी दिल्ली के विस्तार परिसर का पहले प्रस्ताव किया गया था, तथापि इस स्थान पर किए गए तकनीकी सर्वेक्षण के आधार पर यह निष्कर्ष निकला/पाया गया कि इसकी स्थलाकृति और जल जमाव के कारण भूमि की भार वहन क्षमता बहुत कम है और इसलिए, भूमि आईआईटी दिल्ली की अपनी योजनाबद्ध सुविधाओं के निर्माण की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकती है।

आईआईटी दिल्ली के पास पहले से ही सोनीपत, हरियाणा में राजीव गांधी एजुकेशन सिटी (आरजीईसी) के भीतर 50 एकड़ में अपना विस्तार परिसर है। यह परिसर उन्नत अनुसंधान, नवाचार और उद्योग सहकार्यता के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। वर्तमान में, शैक्षणिक और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के साथ-साथ एमएसएमई और उद्योग के रसायनज्ञों, भौतिकविदों, जीव वैज्ञानिकों, सामग्री वैज्ञानिकों और इंजीनियरों के अनुसंधान में सहायता करने के लिए लगभग 190 करोड़ रुपये की लागत वाली 35 परिष्कृत सुविधाएं हैं। अनुसंधान सुविधाओं में उच्च स्तरीय प्रकाश और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, एक 3 डी धातु प्रिंटर, रासायनिक और सामग्री संश्लेषण और लक्षणीकरण उपकरण, स्पेक्ट्रोस्कोपी/स्पेक्ट्रोमेट्री और पर्यावरण निगरानी उपकरण शामिल हैं। केंद्रीय अनुसंधान सुविधाओं के अतिरिक्त, सोनीपत परिसर में आईआईटी दिल्ली के ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स यूनिट की प्रयोगशालाएं, रूपांतरणत्मक अनुवाद अनुसंधान के लिए अटल इनक्यूबेशन सेंटर और एक नई उच्च प्रदर्शन वाली कम्प्यूटेशनल सुविधा है।

परिसर में वायुमंडलीय वेधशाला भी है, जो आईएमडी, नासा, इसरो और हेलसिंकी विश्वविद्यालय की सहकार्यता से वायुमंडलीय विज्ञान केंद्र द्वारा संचालित है। अनुसंधान के अतिरिक्त, यह परिसर तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में उभरा है। इस संस्थान में आई-हब फाउंडेशन फॉर कोबोटिक्स (आईएचएफसी) की मेजबानी की जाती है, जो मानव-रोबोट सहकार्यता को बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए अकादमिक, उद्योग और सरकार को एकजुट करता है और अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी), अटल नवाचार मिशन का भाग है जो व्यापक और सतत उपक्रमों के स्थापन में उद्यमियों की सहायता करता है।

*****